NATIONAL JUTE BOARD

राष्ट्रीय पटसन बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA

www.jute.com

मना रहे हैं जश्न जूट का जो है पर्यावरण अनुकूल भविष्य का रेशा

आज भारत के 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम जूट उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करने का प्रण लें

पिछले 10 वर्षों के दौरान जूट क्षेत्र की उपलब्धियां

- आईकेयर योजना के तहत 4.35 लाख जूट किसानों को सहायता दी गयी जिससे उनकी आय में रु.10,000/हेक्टेयर की वृद्धि हुई और जूट उत्पादकता में 15% की वृद्धि हुई।
- कपड़ा मंत्रालय के तहत सभी जूट संगठनों के लिए कोलकाता में पहली अत्याधुनिक इमारत 'पटसन भवन' का निर्माण किया गया।
- 23 नई मिलें खोली गई जिससे जूट मिलों की संख्या बढ़कर 113 हो गई।
- पहला 'जूट दिवस' 27 जुलाई, 2022 को मनाया गया जो अब हर साल मनाया जाता है।
- वर्ष 2023–24 के दौरान 617.00 करोड़ रुपये की अब तक की सबसे अधिक एमएसपी खरीद।
- जूट मिलों और जूट एमएसएमई इकाइयों के श्रमिकों के 37,000 लड़कियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों के तहत जूट बैग की वार्षिक खरीद बढ़ाकर रु. 12,500 करोड़ की गयी जिससे 40 लाख जूट किसानों और 7 लाख श्रमिकों के हितों की गारंटी के साथ सुरक्षा सुनिश्चित हुई।
- स्वच्छ भारत अभियान के तहत जूट मिलों में 1450 टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया गया ।

"पैकेजिंग में जूट का अनिवार्य उपयोग जूट क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में योगदान देगा। यह हमारे कारीगरों और किसानों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन भी है।"

– नरेन्द्र मोदी

जूट उत्पादों का प्रयोग करें, पर्यावरण बचाएं

जूट प्राकृतिक है, पर्यावरण के अनुकूल है, बायोडिग्रेडेबल है, टिकाऊ है, भारत में निर्मित है और यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है

78 वां स्वतंत्रता दिवस का उत्सव हर घर मनाएं

CBC 41117/15/0001/2425